

12.35 PM

प्ररूप- 2 ड.
(नियम 4 देखिए)
नामनिर्देशन-पत्र

दिनांक

परिषद निर्वाचन क्षेत्र से बिहार (राज्य) की विधान परिषद के लिए निर्वाचन

(भाग 1)

हम बिहार (राज्य) की विधान परिषद के निर्वाचन के लिए दरभंगा स्नातक निर्वाचन-

क्षेत्र से अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित को नामनिर्देशित करते हैं :-

अभ्यर्थी का नाम दिलीप कुमार चौधरी (पिता/माता/पति का -

नाम) नीलाम्बर चौधरी उसका डाक पता ग्राम + पो. - बसैठ

थाना - बेनीपट्टी जिला - मधुबनी (बिहार) उसका नाम 32, बेनीपट्टी

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के भाग सं० 10 में क्रम सं० 1023 पर

प्रविष्ट है।

हम घोषणा करते हैं कि हम मतदाता हैं और हमारे नाम दरभंगा स्नातक परिषद निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में जैसा कि नीचे उपदर्शित किया गया है, प्रविष्ट है और इस नामनिर्देशन के प्रतीक स्वरूप हम नीचे अपने हस्ताक्षर करते हैं :

प्रस्थापकों की विशिष्टियों और उनके हस्ताक्षर

क्रम सं०	प्रस्थापक की निर्वाचक नामावली सं०		पूरा नाम	हस्ताक्षर	तारीख
	दरभंगा स्नातक निर्वाचक नामावली की भाग सं०	उस भाग की क्रम सं०			
1	2	3	4	5	6
✓ 1	30	42	अशोक कुमार बच्चन	अशोक कुमार बच्चन	4.3.14
✓ 2	30	32	अरुण कुमार सिंह	अरुण कुमार सिंह	04.03.14
✓ 3	30	280	शंकर झा	शंकर झा	4.3.14
✓ 4	39	168	परवैज अख्तर	परवैज अख्तर	4.3.14
✓ 5	29	57	कौशल किशोर ठाकुर	कौशल किशोर ठाकुर	04.03.14
✓ 6	35	253	शुद्धि चौधरी	शुद्धि चौधरी	4.3.14
✓ 7	35	299	सुशील चौधरी	सुशील चौधरी	4.03.14
✓ 8	33	539	विजय कुमार झा	विजय कुमार झा	4.3.14
✓ 9	34	65	काशी कान्त मिश्र	काशी कान्त मिश्र	4.3.14
✓ 10	31	273	विनोदानन्द झा	विनोदानन्द झा	4.3.14

प्रस्थापक निर्वाचक क्षेत्र के दस प्रतिशत मतदाता या दस ऐसे मतदाता, जो भी कम हो, होने चाहिए।

मैं उपरिवर्णित अभ्यर्थी इस नामनिर्देशन के लिए अपनी अनुमति देता/देती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि:-

(क) मैंने 50 वर्ष की आयु पूरी कर ली है।

(ख) मैं इस निर्वाचन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल द्वारा खड़ा किया गया हूँ/~~खड़ी की गई हूँ~~।

(ग) मेरा नाम और मेरे पिता/माता/पति का नाम ऊपर देवनागरी भाषा का नाम, में सही रूप से लिखा गया है : और

(घ) अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं दुर्भंगा स्नातक परिषद निर्वाचन क्षेत्र से बिहार (राज्य) की विधान परिषद के रिक्त स्थान को भरने के लिए चुने जाने हेतु अर्हित हूँ और निरर्हित नहीं हूँ।

मैं यह भी घोषण करता हूँ कि इसके साथ-साथ होने वाले विधान परिषद के विद्यमान द्विवार्षिक निर्वाचन/~~उप निर्वाचनों~~ में दो स्थानों के लिए किसी अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्दिष्ट नहीं किया गया हूँ और न ही किया जाऊंगा।

तारीख 4/3/2014

यिनीप कानूनपारी
अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें।

(भाग - 2)
(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाए)

क्या अभ्यर्थी को -

- (i) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की-
(क) उपधारा (1) के अधीन किसी अपराध (अपराधों) के लिये, या
(ख) उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी विधि के उल्लंघन के लिए
सिद्धदोष ठहराया गया है, या हाँ/नहीं
- (ii) ऐसे किसी अन्य अपराध (अपराधों) के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, जिसके (जिनके) लिए उसे दो वर्ष
या अधिक के कारावास से दंडित किया गया है।

यदि उत्तर "हाँ" में है, तो अभ्यर्थी निम्नलिखित जानकारी देगा :

- (i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्यांक शून्य
- (ii) पुलिस थाना (थाने) शून्य जिला(जिले)..... शून्य राज्य..... शून्य
- (iii) संबद्ध अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके
(जिनके) लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया था शून्य
- (iv) दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) की तारीख (तारीखें) शून्य
- (v) वह (वे) न्यायालय जिसने (जिन्होंने) अभ्यर्थी को सिद्धदोष ठहराया था शून्य
- (vi) अधिरोपित दंड कारावास (कारावासों) की अवधि और/या (जुर्माने) की राशि उपदर्शित करें शून्य
- (vii) कारागार से निर्मुक्ति की तारीख (तारीखें) शून्य
- (viii) क्या उपरोक्त दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) के विरुद्ध कोई अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण फाईल किए गये थे : हाँ/नहीं
- (ix) फाईल की गई अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) की विशिष्टियां..... शून्य
- (x) उस न्यायालय (उस न्यायालयों) का (के) नाम, जिसके (जिनके) समक्ष अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण आवेदन फाईल
किए गये थे शून्य
- (xi) क्या उक्त अपील (अपीलों) पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है, या वह/वे लंबित हैं शून्य
- (xii) यदि उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है तो शून्य
- (क) निपटारे की तारीख (तारीखें)..... शून्य
- (ख) पारित आदेश (आदेशों की प्रकृति) शून्य

स्थान
तारीख

दूरभंगा
4/3/2014

डिलीप कुमार चौधरी
(अभ्यर्थी के हस्ताक्षर)

(भाग - 3)

(रिटनिंग आफिसर द्वारा भरा जाए)

नाम निर्देशन-पत्र की क्रम सं० - 03

यह नामनिर्देशन मुझे/मेरे कार्यालय में 4.3.14 तारीख, को 12.35 बजे,

अभ्यर्थी/प्रस्थानक दिवीप कुमार चौधरी नाम द्वारा परिदत्त किया गया।

तारीख

सहायक नितांची पदार्थिका,
रिटनिंग आफिसर
-सह-
जावुक के निवि,
दरभंगा 11: 11: 11

(भाग - 4)

नामनिर्देशन-पत्र की प्रतिगृहित या रद्द करनेवाले रिटनिंग आफिसर का विनिश्चय

मैंने इस नाम निर्देशन-पत्र को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 36 के अनुसार परीक्षित कर लिया है

और मैं निम्नलिखित रूप में विनिश्चय करता हूँ -

तारीख

रिटनिंग आफिसर

(छिद्रण



COURT FEE
"प्ररूप 26"
Authorization No. 3356
(नियम 4क देखिए)

0000100
375279
INDIA
BIHAR
3.3.2014
4093 171



15
03/03/2014

बरभंगा स्नातक

निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) बिहार विधान परिषद् (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

मेरे दिलीप कुमार चौधरी भाग-क
आयु 50 वर्ष, जो ग्राम-पोस्ट-बस्ती
ग्राम-बेनीपट्टी, जिला-मधुबनी (बिहार)

पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ-

(1) मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/ ** एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 32, बेनीपट्टी विधानसभा क्षेत्र के क्रम सं 1023 पर प्रविष्ट है। (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं 10

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 9431219580 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) है।

(4) स्थाई लेखा संख्या (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रार्थना:

क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	दिलीप कुमार चौधरी	ACAPC 6899 H	2013-14	11,00,000/-



दिलीप कुमार चौधरी

P. S. Singh

1.	स्वयं Annexure - "D"				
2.	पति या पत्नी				
3.	आश्रित-1				
4.	आश्रित-2				
5.	आश्रित-3				

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभिक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	(1) अरुण ज्ञाना के.एन - 48/9, मधुबनी, बिहार (2) एच.एच. ज्ञाना के.एन - 11/07, पटना, बिहार
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	(1) 188 म.ए. वि.प. (2) पार - 341, 323, 448, 504, म.ए. वि.प.
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	(1) श्री वैजीव कुमार न्यायिक दंडाधिकारी, मधुबनी 42-960-09 (2) श्री एच.के. वैजयंती, न्यायिक दंडाधिकारी, पटना
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	(1) श्री वैजीव कुमार न्यायिक दंडाधिकारी, मधुबनी (2) श्री एच.के. वैजयंती, न्यायिक दंडाधिकारी, पटना
(ड.)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	8/4/11 20/8/2009
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई	(1) नहीं (2) नहीं



विजय कुमार

10.10.2011

है/हैं	शून्य
--------	-------

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है
[पूर्वोक्त]

मदद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न:- शून्य

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	शून्य
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	शून्य

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है :- शून्य

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	शून्य
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	शून्य



03/03/14

मिली डोरिंग

(ग)	अधिरोपित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष उहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रारिथति	शून्य

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75 के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथक्तया दिए जाने हैं।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित - 1	आश्रित - 2	आश्रित - 3
(i)	हाथ में नकदी	30,000 = रु	35000 = रु	15000 = रु	12000 = रु	12000 = रु
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	Annexure - 'A'				
(iii)	कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों	Annexure - 'B'				



हरीश चंद्रा - प्रमुख
H.P. Singh

	है (हां या नहीं)					
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	"	"	"	"	"
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	"	"	"	"	"
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	"	"	"	"	"
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य					
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	Annexure - "C"				
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)					
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	"	"	"	"	"
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	"	"	"	"	"
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	"	"	"	"	"
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	"	"	"	"	"
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य					
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य				
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)					
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



र. प्र. प्र.

डिलीफोनर-प्रमुख

में विनिधान के ब्यौरे और रकम					
------------------------------	--	--	--	--	--

(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	Annexure "B"			
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य			
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	1) Ambassador - NO - BPG-1111 Year - 2002 - Rs 1000000 = 00 वर्तमान मूल्य 2) Bolezo, NO BR27A-1111 Year - 2007 - Rs 3000000 = 10 वर्तमान मूल्य			
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	जेवरात के ताले - 250 ग्राम मोती (कोरी) - 14.500000 ग्राम 58 ग्राम चाँदी - 700 ग्राम 100 ग्राम - 4.200000 - 100 ग्राम - 40.0000 -			
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	समग्र कुल मूल्य	Rs 6000000 = 10	Rs 8,400000 = 10	शून्य	शून्य
आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे					

टिप्पण 1- संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2- प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) विरासत में आई संपत्ति	Annexure - "C"				



हस्ताक्षर
A.P. Singh

(IV)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	Annexure - "c"				
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)					
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)					
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	1	1	1	1	1
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख		1	1	1	1
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	1	1	1	1	1
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान		1		1	1
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य					
(V)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	1	1	1	1
(VI)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	शून्य	1	1	1	1

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यक्ति के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्र० सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित -1	आश्रित -2	आश्रित -3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति					
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



11 D Singh

निवेदिता नम्र

(ii)	सरकारी शोध : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	आय-कर शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	धनकर शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	सेवाकर शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	विक्रयकर शोध	2200	2200	2200	2200	2200
	कोई अन्य शोध	2200	2200	2200	2200	2200
(iii)	सभी सरकारी शोधों का कुल योग	2200	2200	2200	2200	2200
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	2200	2200	2200	2200	2200

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं प्रोफेसर, एम.एस.सी. विभाग, चण्डीगढ़ मेटाविभाग (विभाग के अध्यक्ष) (मेटाविभाग अध्यक्ष) 61/93

(ख) पति या पत्नी शहजी

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :-

मेडिकल - मस्टर ऑफ हाई स्कूल, डिग्री विभाग में प्रवेशा एम.एस.सी. वर्ष - 1978

बैचलर ऑफ - निर्मली कॉलेज निर्मली, तमिल नाडु विभाग विभाग में प्रवेशा वर्ष - 1980

एम.एस.सी. - एम.एस.सी. विभाग में प्रवेशा वर्ष - 1986

पीएच.डी. - एम.एस.सी. विभाग में प्रवेशा वर्ष - 1992

पीएच.डी. - एम.एस.सी. विभाग में प्रवेशा वर्ष - 1993

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)



डिप्लोमा - प्रो

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कु०				
2	डाक का पता	दिनेश कुमार चौधरी 210 + 510 - बखीह मोना - बेनीपट्टी, जिला-सुपुल				
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	32, बेनीपट्टी, गणपट्ट-10 कुम 40 - 1023 (मिहिर)				
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	गारवीन राष्ट्रीय फोर्से				
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	दो				
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न)	शून्य				
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	शून्य				
7	 का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्जित आय			
	(क) अभ्यर्थी	ACAPC 6899 H	2013-14	Annexure "D"		
	(ख) पति या पत्नी	शून्य	शून्य			
	(ग) आश्रित	शून्य	शून्य			
8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



दिनेश कुमार चौधरी

Up Singh
13/10/2019

ख	स्थायर आस्तियां					
	i. स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	406000=0	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ii. क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	iii. निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(क) स्वर्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	Annexure - "C"				
9	दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं					
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11	उच्चतम शैक्षिक अर्हता : पीएचएड डीए, २६/०५/२०१२-१५					



Up Singh

मिलीटरी कमांडर

	(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)
--	--

डिलीप कुमार चौधरी

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

(क) मेरे विरुद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलों से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 04/03/14 को सत्यापित किया गया।

डिलीप कुमार चौधरी
अभिसाक्षी



I identify the deponent who has signed in my presence.

Ganesh Sah
Adv. 31/3/14

नियुक्त शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

विषय - शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी स्तंभ को खाली देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण - 5 माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121-2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ-पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर

Dr. Dip Kumar Choudhary
Ganesh Sah
Adv. 31/3/14
03/03/14

लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के स्तंभ में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण-6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं..... 94312 19580

मेरा ई-मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है..... 204

मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है..... 204